उपसंहार

तथागत के भिक्षु संघ का उद्देश्य लोगों के हित के लिए कार्य करने तथा स्वयं ने जिस निर्वाण शांति को प्राप्त किया हैं वह अन्य लोगों कोप्राप्त करने में मार्गदर्शन कर जनसमस्याओं के निराकरण का कार्य करना था। नागपुर शहर में कार्यरत सभी भिक्षु संघ डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के विचारों से प्रभावित होकर अपने कार्यों में सामाजिक विकास को अधिक महत्व देकर श्रामनेर प्रशिक्षण केंद्र और स्कूल की स्थापना कर शिक्षा देने का कार्य कर रहे हैं। भदंत सुरेई ससाई अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य बनकर बौद्ध समाज को सामाजिक न्याय दिलाने का कार्य कर रहे है। सभी भिक्षु संघ समाज में बौद्ध धम्म का प्रचार-प्रसार, विपश्यना शिबिर लगाकर और देश विदेश से संपर्क बनाकर नागपुर शहर में बौद्ध समाज को सहायता करने का कार्य कर रहे हैं।शोध विश्लेषण से पता लगता की सभी भिक्षु संघ अपने विचारों से सामाजिक,धार्मिक कार्य कर रहे हैं।

इस लघु शोध प्रबंध में प्रस्तुत शोध परिकल्पनाओं के आधार पर हम जिस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं उनका संक्षिप्त उल्लेख निम्न प्रकार से है।

1. वर्तमान भिक्षु संघ का मूल स्वरूप वहीं है जिसे परंपरा के अनुसार तथागत गौतम बुद्ध ने भिक्षुओं को लेकर बनाया था परंतु पतिमोक्ख नियम 227 का पूर्ण रूप से नागपुर के भिक्खु संघ पालन करने में असमर्थ हैं।
2. विभिन्न कार्यरत भिक्खु संघ एवं उनके कार्य पूर्व भिक्खु संघ की अपेक्षा भिन्न है।
3. भिक्खु संघ डॉ. साहब अंबेडकर के विचारों को विचारों से अन्य शहरों की अपेक्षा नागपूर शहर में अधिक प्रभावित है।

4. भिक्षु संघ के कार्यों के प्रभाव के बाद भी नागपुर शहर में धार्मिक स्थायित्व की अभी भी समस्या बनी हुई है।
5. नागपुर के सभी भिक्षु संघ धार्मिक की अपेक्षा सामाजिक कार्य अधिक कर रहे हैं।

इस तरह नागपुर शहर में सभी भिक्षु संघ उपासक ,उपासिकाओं सामाजिक कार्यकर्ताओं , राजनेताओं के साथ मिलकर उनके सहयोग से सामाजिक एवं धार्मिक कार्य कर रहे हैं।